DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with B+ Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.)
Ph. : 07753-253 801 Fax : 07753-253728
e-mail : info@cvru.ac.in, visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.177 / कु.स. / सी.वी.आर.यू. / 2024 बिलासपुर, दिनांक : 06.01.2024

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :— डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का माह दिसंबर – 2023 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा माह दिसंबर – 2023 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– दिसंबर – 2023

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006.
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) बी. टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. टेक. (इलेक्ट्रिकल) बी. टेक. (मेकनिकल) बी. टेक. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफ्टवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.) मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एम.बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(बी.बी.ए.) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम)

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– दिसंबर – 2023

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006.
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) बी. टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. टेक. (इलेक्ट्रिकल) बी. टेक. (मेकनिकल) बी. टेक. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.) मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एम.बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(बी.बी.ए.) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम)

फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी
पी.जी.डी.सी.ए (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन)
बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन)
डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन)
एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस)
एम.एस.सी. (आई. टी.)

फैकल्टी ऑफ आर्ट्स
बी. ए. (हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, भूगोल, शिक्षा, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र)
एम. ए. (हिन्दी साहित्य)
एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य)
एम. ए. (संस्कृत साहित्य)
एम. ए. (छत्तीसगढ़ी)
एम. ए. (भूगोल)
एम. ए. (शिक्षा)
एम. ए. (राजनीति शास्त्र)
एम. ए. (अर्थशास्त्र)
एम. ए. (इतिहास)
एम. ए. (समाज शास्त्र)
बी. लिब.
एम. लिब.
एम. एस. डब्ल्यू.
ललित कला
बी. जे.
एम. जे.

फैकल्टी ऑफ साईंस
बी. एस. सी. (जीवविज्ञान)
बी. एस. सी. (गणित)
बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईंस)
एम. एस. सी. (गणित)
एम. एस. सी. (भौतिकी)
एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र)
एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र)
एम. एस. सी. (रसायन)
एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान)
एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी)
एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी)

फैकल्टी ऑफ लॉ
बी.ए.एल.एल.बी
बी.काम. एल.एल.बी.
एल.एल.बी.
एल.एल.एम.

		<u>फैकल्टी ऑफ फार्मेसी</u> बी. फार्मा डी. फार्मा एम. फार्मा <u>शोध पाठ्यक्रम</u>
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें

		अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकादमिक परिषद् का गठन किया गया है, जिसमें अकादमिक परिषद् द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। अकादमिक परिषद् द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हाँ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 26.12.2022 को किया गया था एवं दिनाक 25.01.2023 को सदस्य अकादमिक डॉ. अंजना शर्मा जी द्वारा विश्वविद्यालय के अकादमिक विभाग का अकादमिक विजिट किया गया। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका	अध्यादेशों के अनुसार ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।

	औचित्य।	
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के अधिनियम 1956 की धारा (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) की पीयर टीम के द्वारा दिनांक 06 दिसंबर 2023 से 08 दिसंबर 2023 तक निर्धारित मापदंडों करिकुलम, टीचिंग लर्निंग एंड एवल्यूशन, रिसर्च इनोवेशन एंड एक्सटेंशन, इंफास्ट्रक्चर्स एंड लर्निंग रिसोर्स, स्टूडेंट सपोर्ट एवं प्रोग्रेशन, गवर्नेंस लीडरशिप एंड मैनेंजमेंट, इंडस्ट्रीयल वैल्यू एंड बेस्ट प्रैक्टिस को परखा गया। नैक पीयर टीम ने सीवीआरयू शिक्षा, शोध, कला संस्कृति मूल्यों, रचनात्मकता और उद्यमिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों एवं सभी विभागों को गुणवत्तापूर्ण पाया। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) के द्वारा "ए" ग्रेड प्रदान किया गया है। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय प्रदेश का पहला निजी विश्वविद्यालय बन गया है, जिसे राष्ट्रीय मूल्याकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) से "ए" ग्रेड प्राप्त हुआ है। ज्ञात हो कि इसके पूर्व 2016 में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् ने विश्वविद्यालय को 'बी प्लस' ग्रेड दिया था। – प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 11 दिसंबर, 2023 को सुबह 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' का शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री जी द्वारा देश भर के राजभवनों में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रमुखों और संकाय सदस्यों को संबोधित किया

		गया। प्रधानमंत्री जी का दृष्टिकोण देश की राष्ट्रीय योजनाओं, प्राथमिकताओं और लक्ष्यों के निर्माण में देश के युवाओं को सक्रिय रूप से शामिल करना है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप, 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' पहल देश के युवाओं को विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण में विचारों का योगदान करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। कार्यशालाएँ विकसित भारत@2047 के लिए अपने विचारों और सुझावों को साझा करने के लिए युवाओं को शामिल करने की प्रक्रिया शुरू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। – 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' के अंतर्गत एवं निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग तथा राजभवन के द्वारा विकसित भारत@2047 के क्रियान्वयन के संबंध में दिए गए निर्देशानुसार डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर आर पी दुबे ने 13 दिसंबर 2023 विश्वविद्यालय के कुलपति कक्ष में प्रशासनिक अधिकारियों एवं संकाय अध्यक्षों की मीटिंग ली। माननीय कुलपति महोदय ने 11 दिसंबर 2023 को राजभवन में विकसित भारत@2047 कार्यक्रम में आयोजित कार्यशाला के संबंध में सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं प्राध्यापकों को अवगत कराया। तथा विश्वविद्यालय के सभी विभागों में विकसित भारत@2047 कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न आयोजनों को लेकर दिशा–निर्देश दिया गया। इस मीटिंग के दौरान विश्वविद्यालय में विकसित भारत@2047 कार्यक्रम के संबंध में संयोजक, नोडल अधिकारी तथा सदस्यों को लेकर भी चर्चा की गई एवं उनके नाम फाइनल किए गए। माननीय कुलपति प्रोफेसर आर. पी. दुबे जी, कुलसचिव श्री गौरव शुक्ला को विकसित भारत@2047 विजन कार्यक्रम के क्रियान्वन के लिए टास्क फोर्स गठन करने का निर्देश दिया। विश्वविद्यालय के सभी प्रशासनिक अधिकारी, संकाय

			अध्यक्ष एवं विभाग अध्यक्ष को प्राथमिकता के आधार पर सेमिनार, कॉन्फ्रेंस, वर्कशॉप, वाद विवाद प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए निर्देशित किया गया। — आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा निर्देशित "विद्यांजलि" कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 13 दिसबर 2023 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरियारी, विकास खण्ड – तखतपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.) से आये विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में शैक्षणिक (औद्योगिक) भ्रमण करवाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्कील डेवेलपमेंट एण्ड इंडस्ट्रीयल कंसल्टेंसी एवं विभिन्न विभागों के प्रयोग शाला जैसे कम्प्यूटर प्रयोगशाला, भौतिक शास्त्र प्रयोगशाला, रसायन शास्त्र प्रयोगशाला, इंजीनियरिंग प्रयोगशाला, डिजिटल क्लासरूम, सेंट्रल लाइब्रेरी, छत्तीसगढ़ी लोककला एवं संस्कृति केंद्र, छत्तीसगढ़ी संग्रहालय संजोही, रूरल प्रौद्योगिकी विभाग, प्रधानमंत्री कौशल विकास केंद्र आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके कैरियर के बारे में मार्गदर्शन देना तथा विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में अवगत कराना था। विद्यार्थियों ने बड़ी उत्सुकता के साथ विश्वविद्यालय के रूरल टेक्नोलॉजी विभाग के द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों के निर्माण प्रक्रिया को समझा प्रश्न पूछ कर अपनी जिज्ञासा को शांत किया। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी संग्रहालय, संजोही तथा छत्तीसगढ़ी लोककला एवं संस्कृति केंद्र के माध्यम से छत्तीसगढ़ी संस्कृति को समझा। — विकसित भारत@2047 कार्यक्रम के क्रियान्वयन के संबंध में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर आर. पी. दुबे के द्वारा गठित टास्क फोर्स के

			सदस्यों ने दिनांक 14 दिसंबर 2023 को अलग–अलग टीम बनाकर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में जाकर विद्यार्थियों को विकसित भारत विजन 2047 कार्यक्रम के संबंध में बताया। टास्क फोर्स के द्वारा वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय, कला संकाय, विज्ञान संकाय, इंजीनियरिंग संकाय, सूचना प्रौद्योगिकी संकाय, ग्रामीण प्रौद्योगिकी संकाय, फार्मेसी विभाग एवं अन्य विभाग में जाकर विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को विकसित भारत@2047 कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को MyGov.in एप्लीकेशन अपने मोबाइल में डाउनलोड करने, एप्लीकेशन के माध्यम से देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए अपने सुझाव देने की प्रक्रिया तथा हमारा विकसित संकल्प भारत प्रतिज्ञा करने की प्रक्रिया के बारे में बताया। साथ ही विकसित भारत वचनबद्धता का प्रमाण पत्र लेने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही विकसित भारत पोर्टल में जाकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए शिक्षा, तकनीकी, विज्ञान, कृषि आदि क्षेत्रों में अपने सुझाव देने के प्रक्रिया के बारे में बताया। इसके साथ विकसित भारत@2047 विषय पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी गई। टास्क फोर्स के द्वारा विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों को राज भवन के द्वारा आयोजित कार्यशाला में दी गई SOP के अनुसार विभिन्न गतिविधियां करवाने एवं विद्यार्थियों को इसमें सक्रिय भागीदारी के लिए अभिप्रेरित करने के लिए कहा गया।
		–	आजादी का अमृत महोत्सव के तहत डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में दिनांक 14 दिसंबर 2023 को डी. के. पी. स्कूल करगी रोड कोटा के विद्यार्थियों के द्वारा 'रमन सेंटर फॉर साईंस काम्युनिकेशन' का विजीट किया गया, जिसमें भारतीय वैज्ञानिक सर सी.

		व्ही. रमन के बारे में विस्तृत जानकारी एवं इलेक्ट्रानिकी मैगजीन विद्यार्थियों को प्रदान किया गया। – विकसित भारत@2047 का लक्ष्य भारत को उसकी आजादी के 100वें वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इस अवसर पर दिनांक 15 दिसबर 2023 को छत्तीसगढ़ शासन एवं छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के संयुक्त तत्वाधान में संकाय सदस्यों का Orientation किया गया। इस दृष्टिकोण में विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिनमें आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन शामिल था। – 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' कार्यक्रम के क्रियान्वयन के संबंध में दिनांक 15 दिसंबर 2023 को विश्वविद्यालय के सभी प्रमुख स्थानों जैसे प्रशासनिक भवन, विभिन्न अकादमिक विभाग, कैंटीन, हॉस्टल्स एवं लाइब्रेरी में विकसित भारत, विजन 2047 से संबंधित सेल्फी स्टैंड बनाए गए। विकसित भारत, विजन 2047 सेल्फी पॉइंट में सेल्फी स्टैंड के साथ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी वालंटियर के रूप में थे, जो कि सेल्फी खिंचवाने वाले विद्यार्थियों को बड़े रोचक ढंग से विकसित भारत@2047 अभियान के बारे में तथा केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताते थे। विद्यार्थियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्राध्यापकों ने सेल्फी पॉइंट पर जाकर सेल्फी ली एवं उसे सोशल मीडिया पर प्रचारित किया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय को 9वीं फिक्की हायर एजुकेशन एक्सीलेंट

		अवार्ड – 2023 में यूनिवर्सिटी ऑफ द ईयर–स्टेब्लिस्ड प्रदान किया गया है। फिक्की अवार्ड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता पुरूस्कार है। यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए दिया गया है। – आजादी की अमृत महोत्सव के अंतर्गत एवं 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के द्वारा दिनांक 19 दिसंबर 2023 को इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी इन एग्रीकल्चर एंड फॉरेस्ट विषय पर वाद विवाद प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर फार्मेसी विभाग 117 विद्यार्थियों ने आयोजन में हिस्सा लिया। – आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एवं 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' के अंतर्गत विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में दिनांक 20 दिसंबर 2023 को ओल्ड एजुकेशन पॉलिसी वर्सिज न्यू एजुकेशन पॉलिसी विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने नई एजुकेशन पॉलिसी एवं ओल्ड एजुकेशन पॉलिसी के पक्ष–विपक्ष में वाद विवाद प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। वाद विवाद प्रतियोगिता में विभाग के कुल 115 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के प्राचार्य डॉ साकेत सिंह चंदेल ने नई एजुकेशन पॉलिसी के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नई एजुकेशन पॉलिसी से देश में क्रांतिकारी परिवर्तन होगा। नई एजुकेशन पॉलिसी में विद्यार्थियों के

			चरित्र निर्माण, मूल्यपरक शिक्षा, कौशल विकास, मल्टी एंट्री एंड मल्टी एग्जिट, क्रेडिट ट्रांसफर आदि के समावेश से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में काम होगा। – आजादी के अमृत महोत्सव एवं 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के द्वारा दिनांक 21.12.2023 को एग्रीकल्चर एजुकेशन पॉल्यूशन एंड इंडस्ट्रीज विषय पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 121 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता की। – आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एवं 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 22 दिसंबर को भारतीय श्रीनिवास रामानुजन के सम्मान में "राष्ट्रीय गणित दिवस" के अवसर पर विश्वविद्यालय के गणित विभाग, Raman Centre of Science Communication तथा आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वाधान में "गणित पर भारत का योगदान (Contribution of Bharat on Mathematics) विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के विधि विभाग के विद्यार्थियों ने दिनांक 23 दिसंबर 2023 को मूट कोर्ट प्रतियोगिता में मेमोरियल में प्रथम स्थान तथा Best Researcher में द्वितीय स्थान का पुरूस्कार प्राप्त किया। यह कार्यक्रम शासकीय जे. योगानन्दम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय रायपुर एवं सौ. कुसुम ताई दाबके विधि महाविद्यालय

		रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था। – आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एवं 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' के अंतर्गत विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के द्वारा दिनांक 22 दिसंबर 2023 को इंडिया इन वर्ल्ड लेवल विषय पर भाषण प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। इस प्रतिस्पर्धा में 105 विद्यार्थियों ने अपने सहभागिता की। – आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एवं 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' के अंतर्गत विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग में दिनांक 23 दिसंबर 2023 को विज्ञान एवं तकनीकी विषय पर क्विज कंपटीशन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 110 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता की। – आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एवं 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में 26 दिसंबर 2023 को दसवें सिख गुरू गोविंद सिंह जी के पुत्रों साहिबजादों – बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत की स्मृति में उनको याद एवं श्रद्धांजली अर्पित कर "वीर बाल दिवस" मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों में प्रश्नोत्तरी, बौद्धिक संगोष्ठी एवं भाषण का आयोजन किया गया था। – आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एवं 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' के अंतर्गत विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग के द्वारा 27 दिसंबर

		2023 को इन्नोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एवं वूमेन एपावरमेंट विषय पर वाद विवाद प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया। इस प्रतिस्पर्धा में कुल 119 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता की। – आजादी के अमृत महोत्सव एवं 'विकसित भारत@2047: युवाओं की आवाज' के अंतर्गत विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग ने 29 दिसंबर 2023 को रंगोली प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया। इस आयोजन में कुल 103 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता की। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 29 दिसंबर 2023 को भाषा विज्ञान विभाग, भारतीय ज्ञान परंपरा केन्द्र एवं छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ के संयुक्त तत्वाधान में "विकसित भारत@2047 : गीता ज्ञान की प्रासंगिकता" विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम रखा गया था। गीता ज्ञान का अध्ययन हाल ही में बढ़ती वैज्ञानिक रुचि का विषय बन गया है, हालाँकि ज्ञान की अवधारणा प्राचीन है। यह लेख भगवद गीता में ज्ञान की अवधारणा पर केंद्रित है, जो यकीनन सभी प्राचीन हिंदू दार्शनिक/धार्मिक ग्रंथों में सबसे प्रभावशाली है। टेक्स्टलाइजर और एनवीवो सॉफ्टवेयर की मदद से मिश्रित गुणात्मक/मात्रात्मक पद्धति का उपयोग करते हुए हमारी समीक्षा में निम्नलिखित घटकों को गीता में ज्ञान की अवधारणा से जुड़ा हुआ पाया गया। जीवन का ज्ञान, भावनात्मक विनियमन, इच्छाओं पर नियंत्रण, निर्णयशीलता, ईश्वर का प्रेम , कर्तव्य और कार्य, आत्म–संतुष्टि, करुणा/बलिदान, अंतर्दृष्टि/विनम्रता, और योग (व्यक्तित्व का एकीकरण)।

			आधुनिक वैज्ञानिक साहित्य के साथ गीता में ज्ञान की संकल्पना की तुलना कई समानताएं दिखाती है, जैसे जीवन के बारे में समृद्ध ज्ञान, भावनात्मक विनियमन, अंतर्दृष्टि और सामान्य अच्छे (करुणा) पर ध्यान केंद्रित करना। – सत्र 2023–24 में शैक्षणिक गतिविधियों एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना एवं नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकादमिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	–	GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

कुलसचिव